

11/08/14

पञ्चवती अमीकांत जगदीश के विनाश नहीं
 भवेत् प्रकृत कर्तव्य प्रकृत ही अमीकांत
 व श्लोक सं. 1 व 2 में राजीनाम प्रेषित
 जो वास्तविक अर्थ में निरासिद्धि
 अमीकांत व श्लोक सं. 1 व 2 में अर्थात् प्रकृत
 का निवेदन कि पञ्चवती के मरण
 काल में सुनाई कि राजीनाम पर राजीनाम
 के फल ही अमीकांत का पञ्चवती नहीं चले
 ही अमीकांत कि प्रकृत अर्थ अमीकांत ही
 पञ्चवती अर्थ अमीकांत ही अर्थ अर्थ अर्थ
 व श्लोक ही पञ्चवती अर्थ अर्थ अर्थ
 अर्थ ही अर्थ अर्थ अमीकांत के निवेदन में
 अमीकांत अमीकांत कि अर्थ अर्थ अर्थ
 अर्थ अर्थ ही अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ
 अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ

उपखण्ड अधिकारी
 दातारामगढ़

पञ्चवती
 11/4/14
 Anand
 (सु. अर्थ अर्थ)
 11/4/14

जगदीश
 जगदीश की पञ्चवती
 गणेशलाल धामल
 पञ्चवती अर्थ अर्थ
 अर्थ अर्थ
 अर्थ अर्थ